

# ब्रज क्षेत्र में 100 मीटर ऊंची कृष्ण प्रतिमा लगेगी

## गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में सुविधाएँ बढ़ेंगी, धार्मिक संस्थाओं के लिये टाउनशिप बनेगी

जयपुर, 15 अक्टूबर। राजस्थान में आने वाले ब्रज क्षेत्र का कायाकल्प करके यहां वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हालिया भरतपुर दौर के दौरान, गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विकसित करने और ब्रज के पारम्परिक स्थापत्य के अनुसार धार्मिक नगरी के विकास को लेकर विस्तृत प्रेजेंटेशन

विकसित की जाएंगी।

एक धार्मिक नगरी के रूप में विकसित होने जा रहा यह प्रोजेक्ट इको-रिलिजस टूरिज्म की बेहतरीन मिसाल बनेगा, जिसमें पर्यटकों को आइमैक्स थियेटर, भव्य फाउण्टेन शो भी देखने को मिलेगा। परिक्रमा के पैदल यात्री मार्ग को चौड़ा करने के साथ-साथ मार्ग के दोनों ओर की इमारतों का ब्रज हेरिटेज के अनुसार फसाड



राजस्थान के ब्रज क्षेत्र में विकसित होने वाली पर्यटन नगरी में गोवर्धनधारी श्रीकृष्ण की 100 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी। आर्किटेक्ट अनूप बरतारिया ने पर्यटन नगरी के प्रेजेंटेशन के दौरान श्रीकृष्ण की वह तस्वीर प्रदर्शित की जिसके आधार पर विशाल प्रतिमा बनाई जाएगी।

■ टाउनशिप में वैदिक विश्वविद्यालय, वॉटर फ्रंट डवलपमेंट, ग्रीन बैल्ट डवलपमेंट, कृष्ण लीलाओं से संबंधित थियेटर, गौशाला, बस स्टैण्ड व पार्किंग की सुविधाओं का विकास किया जायेगा।

दिया गया।

भरतपुर में एक बैठक के दौरान, आर्किटेक्ट अनूप बरतारिया ने इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट की जानकारी साझा की, जिसके तहत इस प्रोजेक्ट में भगवान श्रीकृष्ण की 100 मीटर ऊंची विराट मूर्ति का निर्माण, 84 कोस परिक्रमा मार्ग का विकास तथा धार्मिक संस्थाओं के लिए एक नई टाउनशिप विकसित करने की योजना है। राजस्थान के गोवर्धन परिक्रमा के क्षेत्र में वैदिक विश्वविद्यालय, वॉटर फ्रंट डवलपमेंट, ग्रीन बैल्ट डवलपमेंट, कृष्ण लीलाओं से संबंधित थियेटर, गौशाला तथा यात्रियों के लिए बस टर्मिनल एवं पार्किंग जैसी सुविधाएं

डवलपमेंट भी किया जाएगा। राज्य सरकार, अप्सरा कुंड और नवल कुंड के मूल वैभव को पुनः लौटाने के साथ-साथ प्रसिद्ध श्रीनाथ जी मंदिर और नृसिंह अवतार मंदिर का भी पारंपरिक स्थापत्य कला के अनुसार सौंदर्यीकरण करेगा। पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल इस परियोजना में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल गाइडलाइन्स का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। परियोजना पूरी होने से राजस्थान के ब्रज क्षेत्र में भी देशी-विदेशी श्रद्धालुओं की आवक में भारी बढ़ोतरी होने का अनुमान है, जिसके कारण बढ़ने वाली आर्थिक गतिविधियों का फायदा स्थानीय लोगों को भी मिलेगा।

## तबादलों पर कोर्ट स्टे का डर

जोधपुर, 15 अक्टूबर (कास)। राजस्थान में सरकारी विभागों में किए तबादलों पर कोर्टी कर्मचारी-अधिकारी कोर्ट से स्टे न ले, इसके लिए सरकार अब कैबिनेट दायर कर रही है। दो दिन पहले लगी निकायों (नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम) में किए अधिकारियों के तबादलों के मामले में ऐसा देखने को मिला है। सरकार ने जोधपुर, जोधपुर हाईकोर्ट बैच और राजस्थान सिविल सर्विसेज अपील ट्रिब्यूनल (रेट) की जयपुर-जोधपुर ब्रांच में कैबिनेट दायर करते हुए इन पर बहस के लिए अतिरिक्त अधिवक्ताओं और वकीलों को नियुक्त किया है।

दरअसल, स्वायत्त शासन निदेशालय ने 13 अक्टूबर को दर शाम एक आदेश जारी करते हुए जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हैरिटेज समेत प्रदेश की अन्य नगरीय निकायों से 155 अधिकारियों के ट्रांसफर किए हैं। सरकार ने अब इन ट्रांसफर पर कोर्ट से स्टे आने की संभावना को देखते हुए कैबिनेट लगाई है, ताकि अगर कोई अधिकारी इन ट्रांसफर पर रोक के लिए याचिका लगाता है तो उस पर कोर्ट भी निर्णय करने से पहले कोर्ट सरकार का

■ सरकार ने चार अलग-अलग कोर्ट में कैबिनेट लगाई ताकि कोई कर्मचारी या अधिकारी तबादले पर कोर्ट से स्टे न हासिल कर ले।

पक्ष सुन सके।

राज्य सरकार ने नगर पालिका सेवा के 155 अधिकारियों के तबादलों के मामले में हाईकोर्ट और राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में कैबिनेट पेश की है। इन अधिकारियों की ओर से अपने तबादले को चुनौती देने की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। इसके चलते अब आर.एम.एस. सेवा के ये अधिकारी अदालत से एक पक्षीय स्टे नहीं ले पाएंगे। यदि इनमें से कोई अधिकारी तबादले पर रोक के लिए अदालत में याचिका पेश करेगा तो अदालत राज्य सरकार का पक्ष सुने बिना मामले में निर्णय नहीं करेगी।

राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की जोधपुर स्थित मुख्यपीठ के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश पंवार, हाईकोर्ट की जयपुर पीठ के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता गुरुचरण सिंह गिल को अधिकृत किया है। इसी तरह सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण के लिए अधिवक्ता राजेश दाधीच और विष्णु दयाल शर्मा को पैरवी के लिए अधिकृत किया गया है।

## भाजपा के ...

■ प्रथम पृष्ठ का शेष

के लिए चार नेताओं को नियुक्त किया है। पार्टी के सांसद डॉ. के.लक्ष्मण राष्ट्रीय पीठासीन अधिकारी (रिटनिंग ऑफिसर) होंगे। लक्ष्मण के सहयोग के लिए पार्टी सांसद नरेश बंसल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा कर्मा तथा पार्टी सांसद एवं प्रवक्ता संबित पात्रा को सह पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

## हम अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियों की ...

■ प्रथम पृष्ठ का शेष

राजस्थान में निवेश करने और समृद्ध भविष्य के निर्माण के हमारे प्रयासों में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

जर्मनी, जो वैज्ञानिक नवाचारों, तकनीकी कौशल, समृद्ध और विकास का एक शक्तिशाली प्रतीक है, के साथ हम अपनी मजबूत साझेदारी स्थापित करना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को वैश्विक कंपनियों के लिए एक सप्लाई चेन डेस्टिनेशन के रूप में देखा जा रहा है और अपनी सक्रिय और विकासोन्मुख नीतियों के कारण, राजस्थान भारत में इन कंपनियों का विश्वसनिय भागीदार बनने के लिए तैयार है।

जर्मनी के निवेशकों को राज्य के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश हेतु आमंत्रित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि जर्मनी, जो अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में वर्ल्ड लीडर है, राजस्थान में सौर और पवन ऊर्जा क्षेत्र में परियोजनाएं शुरू कर सकता है।

मूनिख में आयोजित इस इन्वेस्टर रोड शो में राजस्थान सरकार ने एल्ट्रास प्रोजेक्ट्स, फ्लक्ससस, पार्टक्स एनबी, वेडली टेक्निकस जी.एम.वी.ए.ए., और इंगो फिमट्ज जैसी कई बड़ी जर्मन कंपनियों के साथ एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए। ये कंपनियाँ रक्षा, मोबाइल्टी, आर्टिफिशल इंटील्लिजेंस (एआई), ऑटोमोबाइल और कौशल विकास

क्षेत्र जैसे क्षेत्रों में काम करती है। मुख्यमंत्री के साथ जर्मनी में मौजूद उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि राजस्थान जर्मनी के साथ तकनीकी और अन्य प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए उत्सुक है।

इन्वेस्टर रोड शो में राजस्थान के अंदर मौजूद व्यावसायिक अवसरों के बारे में एक प्रेजेंटेशन देते हुए उद्योग विभाग व ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के आयुक्त रोहित गुप्ता ने कहा, दक्षिण कोरिया, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, और सिंगापूर के निवेशक प्रदेश में कारोबार करने के इच्छुक हैं।

निवेशक रोड शो के अलावा, मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने कई प्रमुख जर्मन कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात

की और उन्हें राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

जर्मनी की पैकेजिंग क्षेत्र की बड़ी कंपनी मल्टीवैक सेप हैगनमुलर एस.ई. एंड कंपनी के.जी. के साथ राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल की बैठक के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने राजस्थान में अपने कारोबार के विस्तार में रुचि दिखाई।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं और विकास के अवसरों को प्रदर्शित करने और जर्मनी के हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट क्षेत्रों के निवेशकों को राज्य में पर्यटन इकाइयाँ स्थापित करने के लिए आमंत्रण देने हेतु विशेष रूप से आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' टूरिज्म मीट में भी भाग लिया।

## 'नौकरी दो...

■ प्रथम पृष्ठ का शेष

से एक आन्दोलन की शुरुआत की। उन्होंने ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुये कहा कि यह आन्दोलन प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पहुँचेगा। उन्होंने एक पोस्टर भी जारी किया, जिसमें सरकार पर सर्वाधिक बेरोजगारी तथा युवाओं को ड्रग्स का आदी बनाने के लिये ड्रग आयात करने का आरोप लगाया है।

चिब ने कहा कि इस आन्दोलन का उद्देश्य युवाओं में उन ड्रग्स के बारे में जागरूकता पैदा करना है, जो गहरी नींद लाने के लिये सरकार द्वारा सप्लाई की जा रही हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि देश में यह झूठा डर पैदा किया जा रहा है कि हिन्दू धर्म संकट में है। युवाओं तथा सरकार द्वारा आयातित ड्रग्स की लत का मुकाबला कर रहे लोगों के लिये असली संकट तो बेरोजगारी है।

## पंजाब में पंचायत चुनावों के लिए पंद्रह अक्टूबर को मतदान हुआ

नयी दिल्ली, 15 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब में चल रहे ग्राम पंचायत चुनावों पर रोक लगाने से, मंगलवार को इनकार कर दिया और कहा कि मतदान के दिन (15 अक्टूबर) चुनाव पर रोक लगाने से अराजकता पैदा हो जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने चुनाव रोकने से संबंधित कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार किया, लेकिन पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के

■ सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला ने कहा, मतदान के दिन चुनाव रोकने का आदेश देने से अराजकता पैदा हो सकती है।

उस आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया गया था। पीठ ने लोकतंत्र में चुनावों के महत्व को रेखांकित किया और कहा, अगर अदालतें मतदान के दिन चुनाव पर रोक लगाता शुरू कर दें तो अराजकता उत्पन्न हो जाएगी। पंजाब में ग्राम पंचायत चुनाव मंगलवार सुबह आठ बजे से (15 अक्टूबर) चल रहे हैं। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंचायत चुनाव रद्द करने की मांग वाली लगभग 1,000 याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

# कोलकाता डॉक्टर रेप मर्डर केस में सीबीआई की जांच से असंतुष्ट सुप्रीम कोर्ट

## सुप्रीम कोर्ट ने तीन सप्ताह में मांगी अगली रिपोर्ट

■ सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल प्रैक्टिशनर्स की सुरक्षा पर गठित नेशनल टास्क फोर्स के सम्बंध में केन्द्र सरकार को समय का काम पूरा करने का निर्देश दिया।

■ नेशनल टास्क फोर्स की सितम्बर के पहले सप्ताह के बाद से एक भी बैठक नहीं हुई है।

■ सुप्रीम कोर्ट ने प. बंगाल राज्य सरकार से सिविक वॉलंटियर्स की भर्ती प्रक्रिया का विवरण मांगा।

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में काम करने वाली महिला डॉक्टर से बलात्कार और हत्या मामले की जांच वेहद गंभीरता से चल रही है। सी.बी.आई. का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष एजेंसी की पांचवीं स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि मामले में आरोपी संजय रांय के खिलाफ 7 अक्टूबर को चार्जशीट दायर की गई थी और सियालदह को कोर्ट ने संज्ञान ले लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सी.बी.आई. की रिपोर्ट से पता चला कि एजेंसी अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। इसलिए कोर्ट ने तीन सप्ताह के भीतर एक और स्थिति रिपोर्ट मांगी है। चिकित्सा पेशेवर की सुरक्षा और सुरक्षा पर सिफारिशें करने के लिए गठित राष्ट्रीय कार्य बल के मुद्दे पर, शीर्ष अदालत ने कहा कि सितंबर के पहले सप्ताह के बाद से इसकी कोई बैठक नहीं हुई है। इसलिए, शीर्ष अदालत ने केन्द्र को यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का निर्देश दिया कि काम एक उचित समय सीमा

के भीतर पूरा हो जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नेशनल टास्क फोर्स की बैठकें समय-समय पर होनी चाहिए और सभी उय समूहों को नियमित बैठकें करनी चाहिए। इसके साथ ही केन्द्र को राष्ट्रीय कार्य बल (एन.टी.एफ.) के काम को तेज कराने का निर्देश दिया है। एन.टी.एफ. को चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा और सुरक्षा

के लिए सिफारिशें करने के लिए गठित किया गया था। अदालत ने कहा कि एन.टी.एफ. सितंबर के पहले सप्ताह से नहीं मिला है और केन्द्र को तीन सप्ताह के भीतर अपनी सिफारिशें पूरी करने के लिए कहा है।

पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सी.सी.टी.बी. कैमरे लगाने और शौचालय और अलग विश्राम कक्ष बनाने में हुई प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को 15 अक्टूबर तक ये काम पूरा करने का निर्देश दिया। मृत महिला डॉक्टर के माता-पिता के वकील ने आरोप लगाया कि अपराध करने वाले सिविक वॉलंटियर आर.जी. कर अस्पताल में तैनात पुलिस से जुड़े हुए थे और पुलिस बैरक में रह रहे थे। पश्चिम बंगाल सरकार ने इस दावे का जोरदार विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से सिविक वॉलंटियरों की भर्ती प्रक्रिया का विवरण देने को कहा।

अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को भी निर्देश दिया कि वह अपनी रातिरे साथी योजना के लिए जिन 1,500 से अधिक नागरिक स्वयंसेवकों की भर्ती कर रही है, कि अगले आदेश तक इन व्यक्तियों को अस्पतालों या किसी ड्यूटी और स्कूलों में तैनात न किया जाए।

# गौंगस्टर विक्रमजीत सिंह बरार का कड़ी सुरक्षा में मैडिकल चैकअप

## गौंगस्टर विक्रमजीत सिंह बरार लॉरेंस विश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य है

अजमेर, 15 अक्टूबर (कास)। लॉरेंस विश्नोई गैंग से जुड़े गौंगस्टर विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्रम बराड़ को कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच मंगलवार को पुलिस जे.एल.एन. अस्पताल लेकर

से विक्रम बराड़ हाई सिक्योरिटी जेल में बंद है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जल्द ही विक्रम सिंह बराड़ को वापस पंजाब जेल में सिफ्ट किया जाएगा।

गौंगस्टर लॉरेंस विश्नोई की तरह ही,

■ अजमेर पुलिस ने कड़ी सुरक्षा में जिले के जे.एल.एन. अस्पताल में उसकी मेडिकल जाँच करवाई। बरार अभी हाई सिक्यूरिटी जेल में बंद है।

■ जयपुर पुलिस ने चौमूं में एक जूलरी शॉप पर दिन दहाड़े हुई डकैती के मामले में बरार को पंजाब से गिरफ्तार किया था।

■ बरार छात्र जीवन से ही लॉरेंस विश्नोई के साथ है और सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में भी वो मुख्य षड़यंत्रकारियों में से एक बताया जाता है।

पहुँची, चिकित्सकों ने बराड़ का चेकअप किया। चेकअप के बाद पुलिस बराड़ को लेकर हाई सिक्यूरिटी जेल पहुँची, जहाँ बराड़ को जेल में सिफ्ट कर दिया गया। जयपुर की चौमूं पुलिस ने ज्वेलर्स की दुकान में दिनदहाड़े पिस्टल के दम पर हुई डकैती के मामले में विक्रम बराड़ को पंजाब से गिरफ्तार किया था। इसके बाद

विक्रम बराड़ का संबंध भी राजस्थान से है। बराड़ हनुमानगढ़ जिले का रहने वाला है। स्कूल के बाद कॉलेज की पढ़ाई के लिए चंडीगढ़ गया था, वहाँ उसने पंजाब यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया। इसके बाद वह इस्ट्रैट्स ऑर्गनाइजेशन ऑफ पंजाब यूनिवर्सिटी से जुड़ा। इसी दौरान उसकी मुलाकात लॉरेंस विश्नोई से हुई। लॉरेंस



पुलिस लॉरेंस विश्नोई गैंग से जुड़े गौंगस्टर विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्रम बराड़ को कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच जे. एल. एन. अस्पताल में चेकअप कराने लाई।

भी छात्र राजनीति में काफी सक्रिय रहता था। बस यहीं से दोनों के बीच नजदीकियाँ बढ़ने लगीं और विक्रम बराड़ लॉरेंस का एकदम खास बन गया।

गौंगस्टर विक्रम बराड़ राजस्थान और पंजाब पुलिस के लिए तो पहले से ही सिरदर्द बना हुआ था, लेकिन साल 2022 में वो देश भर की सुरक्षा जांच एजेंसियों के रडार पर आ गया। 29 मई 2022 को पंजाब के सिंगर सिद्धू

मूसेवाला को दिनदहाड़े गोलीयों से भून दिया गया। उसकी हत्या के पीछे लॉरेंस विश्नोई गैंग थी। पुलिस की जांच में सामने आया था कि मर्डर की प्लानिंग में दुबई में बैठा विक्रम बराड़ भी शामिल था। वो वहाँ से जेल में बैठे लॉरेंस विश्नोई, कनाडा में बैठे गोल्डी बराड़ और शूटर्स के बीच कम्प्यूनिकेशन कंट्रोल सेंट्रल चला रहा था। पुलिस ने बराड़ को दुबई से गिरफ्तार किया था।

# कोलकाता में अनशन पर बैठी जूनियर डॉक्टर तनया अस्पताल में भर्ती

कोलकाता, 15 अक्टूबर। पश्चिम बंगाल के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नौ अगस्त को डॉक्टर के लिए न्याय की मांग को लेकर यहां अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे जूनियर डॉक्टरों में से एक तनया पंजाब पांच अक्टूबर से लगातार अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब क्रिटिकल केयर यूनिट (सी.सी.यू.) में मेडिकल बोर्ड द्वारा उसकी लगातार

सरकारी अस्पतालों के जूनियर डॉक्टरों का अनिश्चितकालीन आमरण अनशन आज 11 वें दिन में प्रवेश कर गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पांच अक्टूबर से अनशन के कारण कमजोर हो चुकी तनया को सोमवार रात गिरने और बेहोश होने के बाद कलकत्ता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब क्रिटिकल केयर यूनिट (सी.सी.यू.) में मेडिकल बोर्ड द्वारा उसकी लगातार

निगरानी की जा रही है। एक डॉक्टर ने बताया कि उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

सूत्रों के अनुसार, अब तक पांच जूनियर डॉक्टर, जिनमें से चार कोलकाता में और एक उत्तर बंगाल के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। वर्तमान में, कोलकाता में पांच जूनियर डॉक्टर और एक उत्तर बंगाल में अपने साथी के लिए न्याय की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं।